ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 43 | अंक 3 | जुलाई 2019

इस अंक में

संवाद			3
लेख			
1.	प्राथमिक कक्षाओं में सर्जनात्मकता का विकास	मनीषा तनेजा पाहुजा	5
2.	शिक्षा एवं चरित्र निर्माण	चित्ररेखा दिनेश कुमार	14
3.	बच्चों में भाषा अर्जन के लिए कंप्यूटर सहायक अनुदेशन (कंप्यूटर गेम्स एवं अनुकरण) एक सशक्त उपकरण	रवीन्द्र कुमार सुरक्षा	22
4.	एक आदर्श नर्सरी विद्यालय	ज्योतिकांत	31
5.	संज्ञानात्मक प्रक्रिया एवं शिक्षण पूर्व-प्राथमिक स्तरीय विद्यार्थियों के संदर्भ में	मणि माला कुमारी	37
6.	बाल्यावस्था में मनोसामाजिक विकास की रूपरेखा	कृष्ण चन्द्र चौधरी प्रभात कुमार मिश्र	46
7.	मूल्य आधारित शिक्षा	नरेश कुमार	52
8.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 के प्रारूप में पूर्व-प्राथमिक शिक्षा का स्वरूप	पद्मा यादव	62
9.	समावेशी आरंभिक बाल शिक्षा आदर्श स्वप्न और व्यावहारिक संभावनाओं की पड़ताल	भारती	68
10.	नयी पाठ्यपुस्तक एवं क्यू.आर. कोड (क्विक रिस्पांस कोड)	रमेश कुमार	75

© NCERT not to be republished

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

अनुभव

11. व्याकरण की घंटी — शारदा कुमारी — 79

विशेष

12. दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 — 86

बालमन कुछ कहता है

13. माँ — आयुष्मान मलिक — 95

कविता

14. बाँची बहुत किताबें तुमने... — उषा शुक्ला — 96

© NCERT not to be republished